1 दिसंबर 2011 : हांग कांग सुधार-गृह के अस्पताल अनुभाग में हूनान प्रांत के मुख्य भाग के एक निवासी से डॉक्टर ने कहा "आपका यकृत खराब है, आपको उसके प्रत्यारोपण की जरूरत है"

9 जनवरी 2012 : क्वीन एलिज़ाबेथ और प्रिंसेस मार्ग्रेट अस्पताल के डाक्टरों ने भी वही कहा : आपको यकृत प्रत्यारोपण की जरूरत है। "जब आप मुख्य भूमि पर वापस जाएँ तो इसका प्रबंध करें"

12 जनवरी 2012 : वह निवासी सुधार-गृह के अस्पताल में लौट आया...वहाँ 27 जनवरी के दोपहर में उसने "डॉक्टर यीशु" पुस्तक प्राप्त की। उस रात उसने यीशु से सहायता की प्रार्थना की। उस रात उसका दर्द चला गया। उसी अस्पताल में आगे की कुछ परीक्षणों के बाद, डॉक्टर ने उससे कहा "सब कुछ सही है, आपका यकृत ठीक है!"

एक और निवासी उसी सुधार गृह के उसी अस्पताल विभाग में था। सन् 2006 में, हिरासत से पहले, उसका एक ऑपरेशन हुआ था जिसमें उसके गुर्दों से 30 से भी अधिक पथरियों को निकाला गया था। सन् 2007 में उसने सुधार गृह में प्रवेश किया। सन् 2011 में उनके गुर्दा की समस्या वापस लौट आई। नवंबर 2011 में एक्स-रे परीक्षण के बाद डॉक्टरों ने उनसे कहा कि उनके गुर्दे में एक नई पथरी पाई गई है.....और उसे एक और ऑपरेशन की जरूरत पड़ेगी। उन्होंने यीशु से सहायता मांगी। उसके बाद वह बेहतर सहसूस करने लगे। बाद में एक्स-रे परीक्षण से यह पता चला कि उनके गुर्दो से पथरी निकल गई, और डॉक्टरों ने कहा "ऑपरेशन की कोई आवश्यकता नहीं है!"